चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जल संचयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनूपपुर गांव में शुक्रवार को मेरी लाइफ योजना के अंतर्गत वर्षा जल संचयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी ने बताया कि पर्याप्त पानी की कमी या दूषित पानी की खपत मनुष्यों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है। उन्होंने बताया कि देश में साल 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6 हजार घन मीटर थी जो साल 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने की संभावना जताई गई है। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि वर्षा जल का संग्रहण सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए जरूरी है। पहले गांवों, कस्बों और नगरों की सीमा पर या कहीं नीची सतह पर तालाब होते थे। जिनमें स्वाभाविक रूप से मानसून की वर्षा का जल एकत्रित हो जाता था। इसके साथ ही अनुपयोगी जल भी तालाब में एकत्र हो जाता था, जिसे मछलियां और मेंढ़क आदि साफ करते रहते थे। यह जल पूरे गांव के पशुओं आदि के काम में आता था। इसलिए यह जरूरी है कि गांवों, कस्बों और नगरों में छोटे-बड़े तालाब बनाकर वर्षा जल का संरक्षण किया जाए।

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.co

WORLD खबर EXPRESS

WORLD

शुक्रवार 02 जून, 2023 | अंक - 395 | www.worldkhabarexpress.media www.worldkhabarexpress.com | MID DAY E-PAPER

मेरी लाइफ अन्तर्गत वर्षा जल संचयन पर हुआ प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनूपपुर गांव में मेरी लाइफ योजना अंतर्गत वर्षा जल संचयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि पर्याप्त पानी की कमी या दूषित पानी की खपत मनुष्यों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है। इसलिए पानी की मात्रा और गुणवत्ता जो हम उपभोग करते हैं वह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य और तंदरुस्ती के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि देश में साल 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6 हजार घन मीटर थी जो साल 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने की संभावना जताई गई है। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया वर्षा जल का संग्रहण सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए जरूरी है। सतह से बारिश के पानी को इकट्ठा करना बहुत ही असरदार और पारंपरिक तकनीक है। पहले गांवों, कस्बों और नगरों की सीमा पर या कहीं नीची सतह पर तालाब अवश्य होते थे। जिनमें स्वाभाविक रूप से मानसून की वर्षा का जल एकत्रित हो जाता था। इसके साथ ही अनुपयोगी जल भी तालाब में एकत्र हो जाता था, जिसे मछलियां और मेंढ़क आदि साफ करते रहते थे। यह जल पूरे गांव के पशुओं आदि के काम में आता था। जरूरी है कि गांवों, कस्बों और नगरों में छोटे-बड़े तालाब बनाकर वर्षा जल का संरक्षण किया जाए।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 328 कानपुर, शनिवार 03 जून 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मेरी लाइफ योजना के तहत वर्षा जल संचयन पर हुआ प्रशिक्षण

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनूपपुर गांव में मेरी लाइफ योजना अंतर्गत वर्षा जल संचयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि पर्याप्त पानी की कमी या दूषित पानी की खपत मनुष्यों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं

पैदा कर सकती है। इसलिए पानी की मात्रा और गुणवत्ता जो हम उपभोग करते हैं वह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य और तंदरुस्ती के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि देश में साल 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6 हजार घन मीटर थी। जो साल 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने की संभावना जताई गई है।इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया वर्षा जल का संग्रहण सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए जरूरी है। सतह से बारिश के पानी को इकट्?ठा करना बहुत ही असरदार और पारंपरिक तकनीक है।पहले गांवों, कस्बों और नगरों की सीमा पर या कहीं नीची सतह पर तालाब अवश्य होते थे। जिनमें स्वाभाविक रूप से मानसून की वर्षा का जल एकत्रित हो जाता था। इसके साथ ही अनुपयोगी जल भी तालाब में एकत्र हो जाता था, जिसे मछलियां और मेंढ़क आदि साफ करते रहते थे। यह जल पूरे गांव के पशुओं आदि के काम में आता था। जरूरी है कि गांवों, कस्बों और नगरों में छोटे-बड़े तालाब बनाकर वर्षा जल का संरक्षण किया जाए।

वर्ष-17 अंक-150 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शनिवार 03 जून 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

मेरी लाइफ अन्तर्गत वर्षा जल संचयन पर हुआ प्रशिक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनूपपुर गांव में मेरी लाइफ योजना अंतर्गत वर्षा जल संचयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि पर्याप्त पानी की कमी या दूषित पानी की खपत मनुष्यों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है। इसलिए पानी की मात्रा और गुणवत्ता जो हम उपभोग करते हैं वह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य और तंदरुस्ती के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि देश में साल 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6 हजार घन मीटर थी जो साल 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने की संभावना जताई गई है।इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया वर्षा जल का संग्रहण सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए जरूरी है। सतह से बारिश के पानी को इकट्ठा करना बहुत ही असरदार और पारंपरिक तकनीक है।पहले गांवों, कस्बों और नगरों की सीमा पर या कहीं नीची सतह पर तालाब अवश्य होते थे। जिनमें स्वाभाविक रूप से मानसून की वर्षा का जल एकत्रित हो जाता था। इसके साथ ही अनुपयोगी जल

भी तालाब में एकत्र हो जाता था, जिसे मछलियां और मेंढ़क आदि साफ करते रहते थे। यह जल पूरे गांव के पशुओं आदि के काम में आता था। जरूरी है कि गांवों, कस्बों और नगरों में छोटे-बड़े तालाब बनाकर वर्षा जल का संरक्षण किया जाए।